सलातुल हसनैन बफैज़ाने ग़ौसिस्सक़लैन

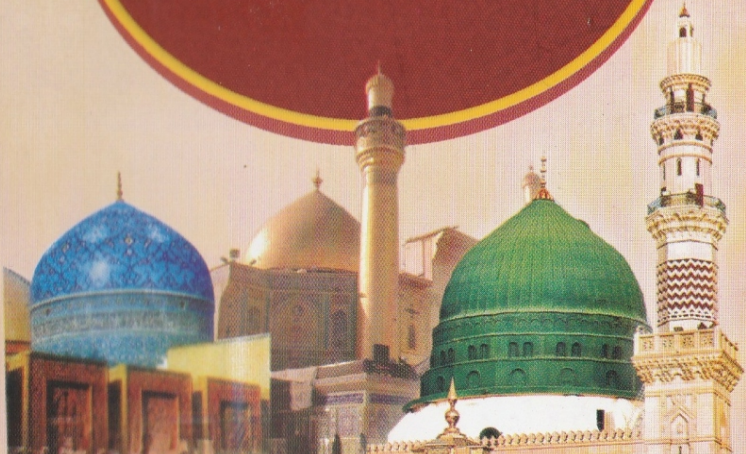

तालीफ़

मोहम्मद अज़ीज़ सुल्तान नाचीज़

786/92

स़लातुल ह़सनैन बिफ़ैज़ानि गौसिस्सक्लैन

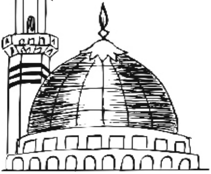

मुरत्तिब

बमौक़ा रबीउ़स्सानी 1439हि0
बफ़ैज़े रूह़ानी सय्यिदुना मोह़युद्दीन
व सय्यिदुना मोईनुद्दीन व ह़ज़रात
मख़्दूमीन सादात चौदहों पीराँ

मोह़म्मद अ़ज़ीज़ सुल्तान नाचीज़

राबेता न0: 9695435877

फ़ज़ीलत सलातुल हसनैन बिफ़ैज़ानि ग़ौसिस्सक़लैन

बिस्मिल्लाहिर्रहमानिर्रहीम।

बिस्मिल्लाहि वस्सलामु अ़ला सय्यिदिना हु व मुहम्मदुर्रसूलुल्लाहि

ज़ेरे नज़र किताब सलातुल हसनैन बि फ़ैज़ाने ग़ौसिस्सक़लैन सय्यिदी व मुरशिदी बाज़े अश्हब मुहयुद्दीन शैख़ अ़ब्दुल क़ादिर जीलानी बग़दादी रदियल्लाहु अ़न्हु के रुहानी फ़ैज़ान से तरतीब दी गई है, इस दुरुद के बे शुमार फ़ज़ाएल हैं जो एहातए तहरीर में नहीं आ सकते क्यों कि इस दुरुद को पढ़ने वाले के दरजात निहायत बुलन्द हो जाते हैं अल्लाह उसे ऐसी नेअ़मतें अ़ता फ़रमाएगा जिन्हें न तो किसी आँख ने देखा होगा न

किसी कान ने सुना होगा और न किसी इन्सान के दिल में उस का ख़्याल गुज़रा होगा जो शख़्स इस दुरुद को रोज़ाना सुब्हो शाम १११ बार या ११ मर्तबा पढ़ेगा तो उसका ज़ाहिर व बात़िन जुम्ला ज़ाहिरी व बात़िनी बीमारियों से मह़फ़ूज़ हो जाएगा उस पर अ़ालमे अरवाह़ का फ़ैज़ान जारी होगा वह अरवाह़ व कुलूब के अनवार से मुस्तफ़ीद होगा और वह अ़ालमे मलकूत व जब्रूत और लाहूत का मुशाहदा करने वाला होगा उस पर "मन अ़ र फ़ नफ़्सहू फ़ क़द अ़ र फ़ रब्बहू"(जिसने अपने नफ़्स को पहचाना बे शक उसने अपने रब का इ़रफ़ान ह़ास़िल किया) की ह़क़ीक़त के दरवाज़े खोल दिए जाएंगे उसे अल्लाह व रसूल की रेज़ा ह़ास़िल होगी और उसे सय्यिदुल कौनैन नबी करीम ﷺ और आप ﷺ के आलो अस्ह़ाब की ज़ियारत नस़ीब होगी और उसे राहे शरीअ़त व त़रीक़त और मअ़रिफ़त व ह़क़ीक़त की त़रफ़ सय्यिदी बाज़े अशहब मुह़युद्दीन शैख़ अ़ब्दुल क़ादिर जीलानी की

रहबरी ह़ासिल होगी और वह वसाविसे नफ़्सानिया व अफ़्आ़ले शैत़ानिया व ख़स़ाएले बहाएमिया और अअ़्माले शनीआ़ से नजात पाएगा, उस का दिल दाइमी त़ौर पर अल्लाह तआ़ला के ज़िक्र व मोह़ब्बत और उस के ह़बीब ﷺ की मोह़ब्बत में शराबोर रहेगा उस की अ़क़्ल इ़ल्म की आफ़तों से मह़फ़ूज़ रहेगी उसे दह्रो क़ब्रो ह़श्र में अल्लाह व रसूल की ख़ुश्नूदी ह़ासिल होगी और उसे "व मँय्युअ तल हिक्म त फ़ क़द ऊति य ख़ैरन कसीरन"(और जिसे ह़िकमत अ़त़ा कर दीगई पस यक़ीनन उसे ख़ैरे कसीर अ़त़ा कर दिया गया)का फ़ैज़ अ़त़ा किया जाएगा और अल्लाह उसे "रब्बना आतिना फ़िद्दुन्या ह़ स न तवँ व फ़िल आख़िरति ह़ स न तवँ व क़िना अ़ज़ाबन्नारि"(ऐ हमारे पालनहार तू हमें दुन्या में भलाई दे और आख़िरत में भलाई दे और तू हमें आग के अ़ज़ाब से बचाले) की नेअ़मतों से माला माल करेगा उसे शैत़ान मरदूद और उस की ज़ुर्रियत और उस के

लशकरियों के शरों से ज़ाहिरी व बातिनी तौर पर बचा लिया जाएगा और अल्लाह उसे नफ़्से अम्मारह के मुक़ाबले में ग़ालिब फ़रमा देगा वह नफ़्से लव्वामा व मुल्हिमा व मुतमइन्ना व रादिया व मरदीया और नफ़्से कामिला के अनवार का मुशाहदा करेगा उसे उन अअ़माल की तौफ़ीक़ ह़ासिल होगी जिन से अल्लाह व रसूल की कुर्बत ह़ासिल होती है, उसे दुन्या ही में जन्नत की बशारत दी जाएगी और वह आ़लमे नासूत से उठ कर आ़लमे रुह़ानिया में आलमे मल्कूत व जब्रुत व आ़लमे लाहूत व अह़दियत और आ़लमे वह़दत का सैर करने वाला हो जाएगा यहां तक कि वह तमाम आ़लमे रुह़ानिय से फ़ैज़ ह़ासिल करेगा और वह हलाक करने वाले अम्राज़ और जिस्मों और दिलों की बीमारियों से शिफ़ा पा जाएगा उस से वह तमाम ख़तरात व ख़्यालात दूर हो जाएंगे जो काहिली और गुम्राही की तरफ़ ले जाते हैं अल्लाह अपने फ़ज़्लो करम से ग़फ़्लत व निस्यान

को उस के दिल से निकाल देगा उस का बातिन मख़्ज़ने अस्रार बन जाएगा, और उस पर ख़जाएने इलाहिया और मआरिफ़े रब्बानिया के दरवाज़े खोल दिए जाएंगे, उस के अन्दर ह़या की ख़स्लत पैदा होजाएगी उस का दिल और उस का चेहरा नूरे ईमान से मुनव्वर रहेगा अल्लाह उस के गुनाहों को बख़्श देगा और उस की नाफ़रमानियों को मिटा देगा, उस के दिल से दुन्या व मासिवल्लाह की अ़ज़मत व मोह़ब्बत निकल जाएगी और उस का नफ़्स अ़लाएक़े दुन्या से कमज़ोर हो जाएगा अल्लाह के हुक्म से उस के सारे मोआ़मलात आसान हो जाएंगे उसे स़फ़ाए क़ल्ब की दौलत ह़ासि़ल होगी और वह जुम्ला बलीयात व आफ़ात से मह़फ़ूज़ रहेगा उस का दिल गुनाहों और जुम्ला मम्नूआ़त से सलामत रहेगा उसे हर लम्ह़ा अल्लाह की मदद ह़ासि़ल होगी और वह मुस्तजाबुद्दअ़वात होगा अगर जाँ ब लब ला इ़लाज मरीज़ इस दुरुद को पढ़े तो उसे फ़ौरन शिफ़ा मिलेगी, ख़ुलास़ा

यह कि यह दुरुद सय्यिदी ग़ौसुल अअ़ज़म शैख़ अ़ब्दुल क़ादिर जीलानी रदि़यल्लाहु अ़न्हु की करामतों में से एक करामत है जिस के सम्रात व नताएज और अ़जाइबो ग़राएब पढ़ने वाला ख़ुद मुशाहदा करेगा इन्शाअल्लाहु तआ़ला, बारगाहे रब्बुल आ़लमीन में दुआ़ है कि मौला तआ़ला हम सब को शमसुल औलिया सय्यिदी शैख़ अ़ब्दुल क़ादिर जीलानी बाग़दादी रदि़यल्लाहु अ़न्हु के स़दक़े व तुफ़ैल में इस दुरुदेपाक को पढ़ने की तौफ़ीक़ अ़ता फ़रमाए और इस के फ़ुयूज़ो बरकात से ख़ूब ख़ूब नवाज़े।

वल्ह़म्दु लिल्लाहि रब्बिल आ़लमीन वस़्सलातु वस्सलामु अ़ला शफ़ीइ़ल उम्मति व रह़मतिल लिलआ़लमीन सय्यिदिना व मौलाना मुह़म्मदिवँ व आलिही व अस़्ह़ाबिही अजमई़न।

सलातुल ह़सनैन बिफ़ैज़ानि ग़ौसिस्सक़लैन

बिस्मिल्लाहिर्रह़मानिर्रह़ीम।

बिस्मिल्लाहि वस्सलामु अ़ला सय्यिदिना हु व मुह़म्मदुर्रसूलुल्लाहि बिह़म्दिही व बिशुक्रिही व बिही नस्तई़नु अल्लाहुम्म इन्नी अस्अलु क बिनूरिकर्रह़मति वल ब र कति व बि क रमिकल अ़ज़ीमि अन तुस़ल्लि य व तु सल्लि म दाइमन अ ब दन अ़ला सय्यिदिनल्लज़ी ज अ़ल्तहू रह मतल्लिल आ़लमीन वमा जअ़ल्त कमिस्लिही अ ह़ दन व मौलाना मुह़म्मादिन ज़िल्क़दरिल अ़ज़ीमिल्लज़ी क़ा ल अल्ह़ स नु वल हुसैनु सय्यिदा शबाबि अहलिल जन्नति वल हुसैनु मिन्नी व अना मिनल हुसैनि व अ़ला वालिदैहिल मुकर्रमैनि व आलिहित्त़य्यिबी न व अह लि बैतिहिल मुत़हहरीन व

अज़्वाजिहिल मुत़हहराति व ज़ुर्रीयातिहिल मुज़क्कयाति व अस़्ह़ाबिहिल इ़ज़ामि व जमीइ़ शु ह दाइ हिल मर्द़ीयी न व औलियाइहिल किरामि व कुल्लि उम्मातिही मिनल अव्वली न वल आख़िरी न अज्मई़ न स़लातन तर्ज़ुकुना बिहा कुल्ललख़ैरि व तह़फ़ज़ुना बिहा मिन स ख़ति़ क इ़न्द कुल्लि उ़स्रतिन या मन अअ़ त़ल कसी र बिल क़लीलि व या मन अअ़्त़ा मन स अ ल हू तह़न्नुनम्मिन्हु व रह़ म तन व यामन अअ़्त़ा मल्लम यस्अल्हु व लम यअ़रिफ़्हु व तुअ़्त़ीना बिहा बिमस्अ ल ति क ख़ैरद्दुन्या व जमी अ़ ख़ैरिल आख़िरति फ़इन्नहू ग़ैरु मनक़ूसिम्मा अअ़्तै़ त व तज़ीदुना बिहा मिन सिअ़ति फ़द़्लि क या करीमु व तज्अ़लु बिहा क़ल्बी वाद्दल्ल क व ह़ामिदवँ व शाकिरल्ल क व मरद़ीयल्ल क व लिह़बीबि क व मुस़ल्लियवँ व मुसल्लिमन अ़लैहि व मुशफ़्फ़अ़ल्लहू व मरद़ीयल लिअहलि बैतिही व अस़्ह़ाबिही व

लिमन रद्दू अ़न्हुम।

तर्जमाः अल्लाह के नाम से शुरूअ़ जो बड़ा मेहरबान निहायत रह़म वाला है, अल्लाह के नाम से शुरूअ़ और ख़ूब ख़ूब सलामती नाज़िल हो हमारे सरदार मोह़म्मद ﷺ पर जो अल्लाह के रसूल हैं ऐ ह़सनैन करीमैन के मअ़बूद ऐ ह़सनैन करीमैन के पालनहार अल्लाह ही के लिए तमाम तअ़रीफ़ है और उसी का शुक्र है और हम उसी से मदद चाहते हैं ऐ हमारे अल्लाह बे शक मैं तुझ से तेरे नूरे रहमत, तेरे नूरे बरकत और तेरे करमे अ़ज़ीम के वास्ते़ से सवाल करता हूँ कि तू ख़ूब ख़ूब दाइमी अब्दी दुरूदो सलाम नाज़िल फ़रमा हमारे उस सरदार पर कि जिसे तूने सारे जहान के लिए रह़मत बना कर भेजा और तूने उन की मिस्ल किसी को नहीं बनाया और ख़ूब ख़ूब दुरूदो सलाम नाज़िल फ़रमा हमारे मौला अ़ज़ीम क़द्रो मन्ज़िलत वाले मोह़म्मद ﷺ पर कि जिन्हों ने फ़रमाया ह़सन व हुसैन (अ़लैहिमस्सलाम)

जन्नती नौजवानों के सरदार हैं और हुसैन (अ़लैहिस्सलाम) मुझ से हैं और मैं हुसैन (अ़लैहिस्सलाम) से, और ख़ूब ख़ूब दुरूदो सलाम नाज़िल हो आप ﷺ के वालिदैन करीमैन पर, आप ﷺ की पाकीज़ा आलो औलाद पर, आप ﷺ की सुथरी अहले बैत पर, आप की अज़्वाजे मुत़हहरात पर, आप ﷺ की पाक बाज़ ज़ुर्रियत पर और आप ﷺ के अ़ज़मत व बुलन्दी वाले स़ह़ाबा पर, मक़ामे रिज़ा पाने वाले तमाम शुहदा पर, आप ﷺ के मुकर्रम औलिया पर और अव्वलीन व आख़िरीन में से आप ﷺ के तमाम उम्मतियों पर, ऐसा दुरूद कि जिस की बरकत से तू हमें सारी भलाइयाँ अ़ता फ़रमा और हर गुनाह पर अपनी नाराज़ी से बचाले ऐ वह जो थोड़े अ़मल पर बहुत सा सवाब अ़ता फ़रमाता है ऐ वह कि जो अपने करम व एह़सान की बिना पर उसे भी देता है जो उससे सवाल करे और उसे भी देता है जो उससे सवाल नहीं करता बल्कि उसे नहीं पहचानता और तू हमें अपनी

बरगाहे करीमी से दुन्या व आख़िरत की हर भलाई अ़ता फ़रमा क्योंकि इस अ़ता से तेरे ख़ज़ाने में कुछ भी कमी न आएगी, ऐ करीम तू अपने वसीअ़ फ़ज़्लो करम को मुझ पर और ज़्यादा फ़रमा, और तू मेरे दिल को तुझ से मोहब्बत करने वाला बनादे तेरा ह़म्दो शुक्र करने वाला बनादे, तेरी और तेरे ह़बीब ﷺ की ख़ुशनूदी पाने वाला बनादे और इस दिल को तेरे ह़बीब ﷺ पर दुरूदो सलाम भेजने वाला बनादे और तेरे ह़बीब ﷺ की शफ़ाअ़त पाने वाला बनादे और इस दिल को तेरे ह़बीब ﷺ की अहले बैत व अस्ह़ाब की ख़ुशनूदी पाने वाला बनादे और जिन से यह राज़ी है उनकी भी ख़ुशनूदी पाने वाला बनादे।

नोटः- आस्तान-ए-ह़ज़रात मख़्दूमीन सादात चौदहों पीराँ رضي الله عنهم से मुतअ़ल्लिक़ जुम्ला मत़बूआ़त मस्लन "दुरूदे रूह़ानी व दोआ़-ए-क़ल्बी, दुरूदे मोह़म्मदी, सलामे मोह़म्मदी मअ़ अस्रारे "मीम ह़ा मीम दाल" और दुरूदे चहल मीम" वग़ैरह **www.syed14peer.com** पर मुलाह़ज़ा कर सकते हैं। Mo. 9695435877

रौज़ा मख़्दूम सय्यैदना शेख़ अहमद वली उल्लाह अलबग़दादी
अलमारूफ़ बेहि आस्ताना चौदहों पीरा (रजि०) इलाहाबाद यू०पी०